- 2. यत: उपर्युक्त संस्था ने उपर्युक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन पंजीकरण के लिए अपने तारीख 26 अक्तूबर, 1985 के आनेवनपत्न के तहत केवलमात्र साउथ इण्डियन बैंक लिमिटेड, सिकन्दराबाद, आन्ध्र प्रदेश, में खाता सं. 175 के जरिए ही विदेशी प्रभिवाय स्वीकार करने की सहमति दी थी;
- 3. यस: उपर्युक्त संस्था ने निविष्ट वैंक खाते से इतर बैंक खातों के जरिए विवेशी श्रीभ-वाय स्वीकार किया है;
- 4. या: उभ्रवत संस्था ने विदेशी अभिदायों को प्राप्त करने और उनका उपयोग करने के लिए अने ह बैंह खाते भी रखे हुए हैं, और इस प्रहार इतने विदेशी अभिदाय (विनियनन) नियम 1976 के नियम 8(1) के साथ पठित विदेशो अभिदाय (विनियनन) अधिनियम, 1976 की धारा 6(1) के उपवंधों का उल्लंधन किया है;
- 5. ग्रतः ग्रव, केन्द्रीय सरकार, विदेशी ग्रभिवाय (विनियमन) ग्रधिनियम, 1976 की धारा 6 की उप-धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नलगोंडा डायोसिस सोसायटी, विशाप्स हाउस, राष्ट्रपति रोड, नलगोंडा, ग्रान्ध्र प्रदेश (इसकी शाखाओं और इकाइयों समेत) से यह अपेक्षा करती है कि श्रवसे ग्रागे कोई विवेशी श्रभिदाय स्वीकार ककों से पहले वह केन्द्रीय सरकार की श्रनुमति प्राप्त करेगी।

[सं. II.21022/8(24)/88-एफसीमारए-I]

इन्दिरा मिश्र, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 31st August, 1988

## NOTIFICATION

- S.O. 819(E): --Whereas the Nalgonda Diocese Society, Bishop's House Rashtrapathi Road, Nalgonda, Andhra Pradesh, was registered under section 6 (1) of the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976 (49 of 1976) vide Registration No. 010300012;
- 2. Whereas the above-said association had agreed to accept foreign contribution only through Account No. 175 in the South Indian Bank Ltd., Secundrabad, Andhra Pradesh vide its application dated 26th October, 1985 for registration under the above-said Act;
- 3. Whereas the above-said association has received foreign contribution through the Bank Accounts other than the specified bank account.

- 4. Whereas the above-said association has also been maintaining several bank accounts for receipt and utilisation of foreign contributions, thus violating the provisions of section 6 (1) of the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976 read with Rule 8 (1) of the Foreign Contribution (Regulation) Rules, 1976.
- 5. Now, therefore, the Central Government, in exercise of the powers conferred by proviso to sub-section (1) of section 6 of the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976, requires the Nalgonda Diocese Society, Bishop's House, Rashtrapathi Road, Nalgonda, Andhra Pradesh (including its branches and units) to obtain prior permission of the Central Government before acceptance of any foreign contribution henceforth.

[No. II. 21022|8 (24) [88-FCRA. I]

INDIRA MISRA, Jt. Secy.



## असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--श्रुष्ट 3--उप-श्रुष्ट (ii) PART II-Section 3-Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

ಗಳು ಸಂಕರ್ಷ ಕರಣದ ೧೯೮೯ ಕಲ್ಪಡಿಯ ಅರ್ಜರಕರ ಆರಕ್ಷಕ್ಕಾರ ಒಡುವುದು ಸುರ್ಣಿಸುವ ಬರುಗಳು ಸಾಹಿತಿ ಕರಣ<mark>ದ ಪ್ರತಿಕರದ ಜನಿತ</mark>ರ ಬ್ರಾಹಕ ಕರಣಕ್ಕೆ 👃

सं. 442 No. 4421

नई बिल्ली, नृहस्पतिबार, सिलम्बर 1, 1988/ अधिवस 10, 1910 NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 1, 1988/ASVINA 10, 1910

ರ್ಷದ್ಯ ಮಹಾರಾದ ಕರ್ಮನಿಗಳ ವಿಷ್ಣಿಸಿ ಕಾರ್ಯದ ಮುಡಿಸುವ ಬಿಳಿಸಿಕೆ ಮುಂದುವ ಮಾವುದು ಬಿಳಿಸುವ ಅಥವಾಗಿ ಅರ್ಥವಾಗಿ ಎಂದು ಅರ್ಥಿಗಳು ಕು

इस भाग में भिग्न पुष्ठ तंत्र्या वी जाती हैं जिससे कि यह असग संकलम से कप में रचा का तके

Separate Paging is given to this Bart in order that it may be filed as a separate compilation

पेट्रोलियम एवं ब्राकृतिक गैस मंद्रालय

नर्ड विलंगी, 1 सितस्थर, 1988

## **यसिम्**चनार्ग

का. का अ20(क्र) - - पतः पेट्रोलियम भीर स्पतिज पाठप लाउन (मूर्नि में उपयोग के मधिकार का प्रजेन) प्रधिनियमः 1962 (1962 का 50) की हारा 3 उपबार (1) के श्रवीत प्रारक सरकार के पेट्रोलियस एक शक्किक गैस मधिसूजना **का.का.स**ं. 852(ছी) **लारीख**ा-7-88 दारा **के**स्ट्रीय सरकार से उस अधिस्वनां से नंतरत अनुसूची में कितिरिष्ट मुनियों के उत्थोग के अधिशार का पाइने लोडनों की किमाने के लिए अजित करने को अपना आशाय पोषित कर दिया था ।

भौर यन सक्षम प्राधिकारी ने उनल धीधनियम की धारा ५ की उपकारा (1) के घनीन सरकार की रिपोर्ट वेदी है।

भीर शांगे एक केन्द्रीय सरकार स उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के परवास इस अधिमूखना से सलग्न शनुमूची में विनिदिष्ट मुमियों में उपयोग का प्रधिकार अजित करने का वितिम्बग किया है।

धन धन, उसन प्रक्षिनियम की छ।रा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्न पश्चित का प्रगीग करने हए केटीय सरकार एनददारा घोषिन करनी है कि **इ**स श्रीअगुम्बतः में संयान श्रतमुन्ता में विनिधिष्ट उक्त भीमर्था में उपवीत का श्रीधकार पाइपसाइन विकाने के श्रमीजन के लिए एतद्द्वारा अजिल किया आला है।

(1)

2240 G1/88